Job

Chapter 5

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1	קְרָא־	נָא	הֲיֵשׁ	עוֹנֶךָּ	וְאֶל־	מִי	מִקְּדֹשִׁים	תִפְנֶה׃
	पुकार-	कृपया	क्या-है	उत्तर-देनेवाला-तुझे	और-किस-	किस	पवित्रों	मुड़ेगा-तू
	H7121	H4994	H3426		H0413	H4310	H6918	H6437

“अय्यूब, यदि तू चाहे तो पुकार कर देख ले किन्तु तुझे कोई भी उत्तर नहीं देगा। तू किसी भी स्वर्गदूत की ओर मुड़ नहीं सकता है।

2	כִּי־	לֶאֱוִיל	יַהֲרָג־	כָעַשׂ	וּפֹתֶה	תָּמִית	קִנְאָה׃
	क्योंकि-	मूर्ख-को	मारता-है-	क्रोध	और-भोले-को	मारती-है	ईर्ष्या
		H0191	H2026			H4191	H7068

मूर्ख का क्रोध उसी को नष्ट कर देगा। मूर्ख की तीव्र भावनायें उसी को नष्ट कर डालेंगी।

3	אֲנִי־	רָאִיתִי	אֱוִיל	מַשְׁרִישׁ	וָאֶקּוֹב	נָוֵהוּ	פִתְאֹם׃
	मैं-	देखा-मैंने	मूर्ख	जड़-जमाता-हुआ	और-मैंने-शापा	उसके-निवास-को	तुरंत
	H0589	H7200	H0191	H8327	H6895		H6597

मैंने एक मूर्ख को देखा जो सोचता था कि वह सुरक्षित है। किन्तु वह एकाएक मर गया।

4	יִרְחֲקוּ	בָנָיו	מִיֶּשַׁע	וְיִדַּכְּאוּ	בַשַּׁעַר	וְאֵין	מַצִּיל׃
	दूर-रहते-हैं	उसके-पुत्र	छुटकारे-से	और-कुचले-जाते-हैं	फाटक-में	और-नहीं	बचानेवाला
	H7368		H3468	H1792	H8179	H0369	H5337

ऐसे मूर्ख व्यक्ति की सन्तानों की कोई भी सहायता न कर सका। न्यायालय में उनको बचाने वाला कोई न था।

5	אֲשֶׁר	קְצִירוֹ	רָעֵב	יֹאכֵל	וְאֶל־	מִצִּנִּים	יִקָּחֵהוּ	וְשָׁאַף	צַמִּים	חֵילָם׃
	जिसकी	उसकी-फसल	भूखा	खाता-है	और-की-ओर-	काँटों-से	लेता-है-उसको	और-निगलता-है	प्यासे	उनकी-सम्पत्ति
			H7457	H0398	H0413	H6791	H3947		H6782	H2428

उसकी फसल को भूखे लोग खा गये, यहाँ तक कि वे भूखे लोग काँटों की झाड़ियों के बीच उगे अन्न कण को भी उठा ले गये। जो कुछ भी उसके पास था उसे लालची लोग उठा ले गये।

6	כִּי	לֹא־	יֵצֵא	מֵעָפָר	אָוֶן	וּמֵאֲדָמָה	לֹא־	יִצְמַח	עָמָל׃
	क्योंकि	नहीं-	निकलती-है	धूल-से	अन्याय	और-भूमि-से	नहीं-	उगती-है	कष्ट
		H3808	H3318	H6083	H0205	H0127	H3808	H6779	H5999

बुरा समय मिट्टी से नहीं निकलता है, न ही विपदा मैदानों में उगती है।

7	כִּי־	אָדָם	לְעָמָל	יוּלָּד	וּבְנֵי־	רֶשֶׁף	יַגְבִּיהוּ	עוּף׃
	क्योंकि-	मनुष्य	कष्ट-के-लिए	जन्मा-है	और-पुत्र-	चिनगारी-के	ऊँचे-उड़ते-हैं	उड़ान
		H0120	H5999	H3205		H7565	H1361	

मनुष्य का जन्म दु:ख भोगने के लिये हुआ है। यह उतना ही सत्य है जितना सत्य है कि आग से चिंगारी ऊपर उठती है।

8	אוּלָם	אֲנִי	אֶדְרֹשׁ	אֶל־	אֵל	וְאֶל־	אֱלֹהִים	אָשִׂים	דִּבְרָתִי׃
	परन्तु	मैं	खोजूँगा	की-ओर-	एल	और-की-ओर-	एलोहीम	रखूँगा	मेरी-बात
	H0199	H0589	H1875	H0413	H0410	H0413	H0430		H1700

किन्तु अय्यूब, यदि तुम्हारी जगह मैं होता तो मैं परमेश्वर के पास जाकर अपना दुखड़ा कह डालता।

9	עֹשֶׂה	גְדֹלוֹת	וְאֵין	חֵקֶר	נִפְלָאוֹת	עַד־	אֵין	מִסְפָּר׃
	करनेवाला	बड़े-कार्य	और-नहीं	खोज	अद्भुत-कार्य	तक-	नहीं	गिनती
			H0369	H2714	H6381	H5704	H0369	H4557

लोग उन अद्भुत भरी बातों को जिन्हें परमेश्वर करता है, नहीं समझते हैं। ऐसे उन अद्भुत कर्मों का जिसे परमेश्वर करता है, कोई अन्त नहीं है।

10	הַנֹּתֵן	מָטָר	עַל־	פְּנֵי־	אָרֶץ	וְשֹׁלֵחַ	מַיִם	עַל־	פְּנֵי	חוּצוֹת׃
	देनेवाला	वर्षा	पर-	मुख-	पृथ्वी-के	और-भेजनेवाला	पानी	पर-	मुख	बाहर-के
	H5414	H4306		H6440	H0776	H7971	H4325		H6440	H2351

परमेश्वर धरती पर वर्षा को भेजता है, और वही खेतों में पानी पहुँचाया करता है।

11	לָשׂוּם	שְׁפָלִים	לְמָרוֹם	וְקֹדְרִים	שָׂגְבוּ	יֶשַׁע׃
	रखने-को	नीचों	ऊँचाई-पर	और-शोकित	उठाए-गए	छुटकारा
		H8217	H4791	H6937	H7682	H3468

परमेश्वर विनम्र लोगों को ऊपर उठाता है, और दु:खी जन को अति प्रसन्न बनाता है।

12	מֵפֵר	מַחְשְׁבוֹת	עֲרוּמִים	וְלֹא־	תַעֲשֶׂנָה	יְדֵיהֶם	תּוּשִׁיָּה׃
	तोड़नेवाला	योजनाएँ	चतुरों-की	और-नहीं-	करेंगे	उनके-हाथ	सफलता
		H4284	H6175	H3808		H3027	H8454

परमेश्वर चालाक व दुष्ट लोगों के कुचक्र को रोक देता है। इसलिये उनको सफलता नहीं मिला करती।

13	לֹכֵד	חֲכָמִים	בְּעָרְמָם	וַעֲצַת	נִפְתָּלִים	נִמְהָרָה׃
	पकड़नेवाला	बुद्धिमानों-को	उनकी-चतुराई-में	और-योजना	टेढ़ों-की	शीघ्र-होती-है
	H3920	H2450	H6193	H6098	H6617	

परमेश्वर चतुर को उसी की चतुराई भरी योजना में पकड़ता है। इसलिए उनके चतुराई भरी योजनाएं सफल नहीं होती।

14	יוֹמָם	יְפַגְּשׁוּ־	חֹשֶׁךְ	וְכַלַּיְלָה	יְמַשְׁשׁוּ	בַצָּהֳרָיִם׃
	दिन-में	मिलते-हैं-उनको-	अंधकार	और-रात-की-तरह	टटोलते-हैं	दोपहर-में
	H3119	H6298	H2822	H3915	H4959	

वे चालाक लोग दिन के प्रकाश में भी ठोकरें खाते फिरते हैं। यहाँ तक कि दोपहर में भी वे रास्ते का अनुभव रात के जैसे करते हैं।

15	וַיֹּשַׁע	מֵחֶרֶב	מִפִּיהֶם	וּמִיַּד	חָזָק	אֶבְיוֹן׃
	और-बचाया	तलवार-से	उनके-मुँह-से	और-हाथ-से	शक्तिशाली-के	गरीब
	H3467	H2719	H6310	H3027	H2389	H0034

परमेश्वर दीन व्यक्ति को मृत्यु से बचाता है और उन्हें शक्तिशाली चतुर लोगों की शक्ति से बचाता है।

16	וַתְּהִי	לַדַּל	תִּקְוָה	וְעֹלָתָה	קָפְצָה	פִּיהָ׃
	और-होती-है	दीन-के-लिए	आशा	और-अन्याय	बंद-करती-है	अपना-मुँह
	H1961	H1800			H7092	H6310

इसलिए दीन व्यक्ति को भरोसा है। परमेश्वर बुरे लोगों को नष्ट करेगा जो खरे नहीं हैं।

17	הִנֵּה	אַשְׁרֵי	אֱנוֹשׁ	יוֹכִחֶנּוּ	אֱלוֹהַּ	וּמוּסַר	שַׁדַּי	אַל־	תִּמְאָס׃
	देख	धन्य	मनुष्य	डाँटता-है-जिसको	एलोहा	और-अनुशासन	सर्वशक्तिमान-का	मत-	तुच्छ-जान
	H2009	H0835	H0582	H3198	H0433	H4148	H7706	H0408	

“वह मनुष्य भाग्यवान है, जिसका परमेश्वर सुधार करता है इसलिए जब सर्वशक्तिशाली परमेश्वर तुम्हें दण्ड दे रहा तो तुम अपना दु:खड़ा मत रोओ।

18	כִּי	הוּא	יַכְאִיב	וְיֶחְבָּשׁ	יִמְחַץ	]וידו[	)וְיָדָיו(	תִּרְפֶּינָה׃
	क्योंकि	वह	दर्द-देता-है	और-बाँधता-है	घायल-करता-है	और-उसके-हाथ	और-उसके-हाथ	चंगा-करते-हैं
		H1931	H3510	H2280	H4272	H3027	H3027	H7495

परमेश्वर उन घावों पर पट्टी बान्धता है जिन्हें उसने दिया है। वह चोट पहुँचाता है किन्तु उसके ही हाथ चंगा भी करते हैं।

19

בְּשֵׁשׁ	צָרוֹת	יַצִּילֶךָּ	וּבְשֶׁבַע׀	לֹא־	יִגַּע	בְךָ	רָע׃
छह-में	संकटों	छुड़ाएगा-तुझे	और-सात-में	नहीं-	छूएगा	तुझे	बुराई
H8337		H5337	H7651	H3808	H5060		

वह तुझे छ: विपत्तियों से बचायेगा। हाँ! सातों विपत्तियों में तुझे कोई हानि न होगी।

20

בְּרָעָב	פָּדְךָ	מִמָּוֶת	וּבְמִלְחָמָה	מִידֵי	חָרֶב׃
अकाल-में	छुड़ाया-तुझे	मृत्यु-से	और-युद्ध-में	हाथों-से	तलवार
H7458	H6299	H4194	H4421	H3027	H2719

अकाल के समय परमेश्वर तुझे मृत्यु से बचायेगा और परमेश्वर युद्ध में तेरी मृत्यु से रक्षा करेगा।

21

בְּשׁוֹט	לָשׁוֹן	תֵּחָבֵא	וְלֹא־	תִירָא	מִשֹּׁד	כִּי	יָבוֹא׃
कोड़े-से	जीभ-के	छिपाया-जाएगा-तू	और-नहीं-	डरेगा-तू	विनाश-से	जब	आए
H7752	H3956	H2244	H3808	H3372	H7701		H0935

जब लोग अपने कठोर शब्दों से तेरे लिये बुरी बात बोलेंगे, तब परमेश्वर तेरी रक्षा करेगा। विनाश के समय तुझे डरने की आवश्यकता नहीं होगी।

22

לְשֹׁד	וּלְכָפָן	תִּשְׂחָק	וּמֵחַיַּת	הָאָרֶץ	אַל־	תִּירָא׃
विनाश-पर	और-अकाल-पर	हँसेगा-तू	और-जानवरों-से	पृथ्वी-के	मत-	डर
H7701	H3720	H7832		H0776	H0408	H3372

विनाश और भुखमरी पर तू हँसेगा और तू जंगली जानवरों से कभी भयभीत न होगा।

23

כִּי	עִם־	אַבְנֵי	הַשָּׂדֶה	בְרִיתֶךָ	וְחַיַּת	הַשָּׂדֶה	הָשְׁלְמָה־	לָךְ׃
क्योंकि	साथ-	पत्थरों	खेत-के	तेरी-वाचा	और-जानवर	खेत-के	मेल-किया-गया-	तेरे-साथ
		H0068		H1285				

तेरी वाचा परमेश्वर के साथ है यहाँ तक कि मैदानों की चट्टाने भी तेरा वाचा में भाग लेती है। जंगली पशु भी तेरे साथ शान्ति रखते हैं।

24

וְיָדַעְתָּ	כִּי־	שָׁלוֹם	אָהֳלֶךָ	וּפָקַדְתָּ	נָוְךָ	וְלֹא	תֶחֱטָא׃
और-जानेगा-तू	कि-	शान्ति	तेरा-तम्बू	और-जाँचेगा-तू	अपने-निवास-को	और-नहीं	पाप-करेगा-तू
H3045		H7965	H0168			H3808	H2398

तू शान्ति से रहेगा क्योंकि तेरा तम्बू सुरक्षित है। तू अपनी सम्पत्ति को सम्भालेगा और उसमें से कुछ भी खोया हुआ नहीं पायेगा।

25

וְיָדַעְתָּ	כִּי־	רַב	זַרְעֶךָ	וְצֶאֱצָאֶיךָ	כְּעֵשֶׂב	הָאָרֶץ׃
और-जानेगा-तू	कि-	बहुत	तेरी-संतान	और-तेरी-संतान	घास-की-तरह	पृथ्वी-की
H3045			H2233	H6631	H6212	H0776

तेरी बहुत सन्तानें होंगी और वे इतनी होंगी जितनी घास की पत्तियाँ पृथ्वी पर हैं।

26

תָּבוֹא	בְכֶלַח	אֱלֵי־	קָבֶר	כַּעֲלוֹת	גָּדִישׁ	בְּעִתּוֹ׃
पहुँचेगा-तू	पूरी-उम्र-में	की-ओर-	कब्र	चढ़ने-की-तरह	पूली	अपने-समय-में
H0935	H3624	H0413	H6913	H5927		H6256

तू उस पके गेहूँ जैसा होगा जो कटनी के समय तक पकता रहता है। हाँ, तू पूरी वृद्ध आयु तक जीवित रहेगा।

27

הִנֵּה־	זֹאת	חֲקַרְנוּהָ	כֶּן־	הִיא	שְׁמָעֶנָּה	וְאַתָּה	דַע־	לָךְ׃	פ
देख-	यह	खोजी-है-हमने	ऐसा-	यह	सुन-उसको	और-तू	जान-	अपने-लिए	प
H2009	H2063	H2713		H1931	H8085		H3045		

“अय्यूब, हमने ये बातें पढ़ी हैं और हम जानते हैं कि ये सच्ची है। अत: अय्यूब सुन और तू इन्हें स्वयं अपने आप जान।”